# प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 5 अगस्त 2017 को अस्थि शल्य चिकित्सा विभाग, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश आर्थोपेडिक एशोसिएशन (UPOA), लखनऊ आर्थोपेडिक एसोसिएशन(LOS), इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक्स ट्रॉमाटोलॉजी के सहयोग से **''वर्ल्ड बोन एण्ड ज्वांइट डे''** का आयोजन किया गया। इस आयोजन में आम जनता की जागरूकता के लिए **''पीडियाट्रिक्स ट्रॉमा प्रिवेन्शन एण्ड प्री हॉस्पिटल मैनेजमेन्ट एट होम''** कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस आयोजन मेकं प्रो0 जी0के सिहं, विभागाध्यक्ष, अस्थि शल्य चिकित्सा विभाग, के0जी0एम0यू0 एवं प्रोक0 एस0जी0के0 सिंह, विभागाध्यक्ष, यूरोलॉजी, के0जी0एम0यू0 सम्मिलित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 जी0के0 सिंह ने की। कार्यक्रम में में प्रो0 अजय सिंह, विभागाध्यक्ष बाल अस्थि शल्य चिकित्सा विभाग के0जी0एम0यू0 के द्वारा जन सधारण के लिए लिखी पुस्तक शीर्षक ''**बच्चों की सुरक्षा सम्बंधी विशेष जानकारी तथा उपचार''** का विमोचन भी किया गया।

इस आयोजन को आगे बढ़ाते हुये प्रो0 अजय सिंह द्वारा अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई जिसका सम्बंध विशेष तौर से बाल्य चिकित्सा आघात पर था। उन्होने बताया कि बाल्य चिकित्सा आघात का तात्पर्य उस आघात से है जो शिशु बच्चें और किशोरों को लगती है। भारत में बच्चों के घायल होने की वजह स्पष्ट रूप से पता नही होती है जबकि हमारा ज्ञान महामारी विज्ञान के बारे में अपर्याप्त है। तथापि, नेशनल क्राइम व्यूरो के 2006 की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों में चोटों से 22,766 मौतें हुयी है। यह शायद हमारे तृतीयक संस्था की विलंबित स्तुति से या बच्चों के मॉ–बाप में अपार्याप्त ज्ञान और निचली साक्षरता दर बताया गया है। साथ ही उन्होने विभिन्न प्रकार के आघातों में जैसे–गले की चोट, ऑख पर आघात, हड्डी के टूटने तथा सर के आघात आदि मे विशेष रूप से क्या करें और क्या ना करें इसकी जानकारी दी।

इस आयोजन के दौरान अस्थि शल्य विभाग के अन्य भावी जिनमें प्रो0 विनीत शर्मा, प्रो0 आर0एन0 श्रीवास्तव, प्रो0 संतोष कुमार, प्रो0 आशीष कुमार का भी सहयोग रहा। डॉ0 कुमार शान्तनु समेत भी कई सहायक आचार्यों ने भी इस आयोजन में काफी योगदान दिया । इस आयोजन में विभाग के रेजिडेन्स, रिसर्च स्कालर्स, पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य कर्मचारियों ने भी भाग लिया।